रेलगाड़ी

हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय

आओ बच्चों रेल दिखाएं
छुक-छुक करती रेल चलाएं
सीटी देकर सीट पे बैठो
एक दूजे की पीठ पे बैठो
आगे-पीछे, पीछे-आगे
लाइन से लेकिन कोई न भागे
सारे सीधी लाइन में चलना
आंखे दोनों नीची रखना
बंद आंखों से देखा जाए
आंख खुले तो कुछ न पाएं।
आओ बच्चों रेल चलाएं
सुनो रे बच्चों, टिकट कटाओ
तुम लोग नहीं आओगे तो
रेलगाड़ी छूट जाएगी
आओ सब लाइन में खड़े हो जाओ
मुन्नी - तुम हो इंजन
ढब्बू - तुम हो कोयले का डिब्बा
चुन्नू-मुन्नू, लीला-शीला
मोहन-सोहन, जाधच-माधव
सब पैसेंजर, सब पैसेंजर।

एक, दो : रेलगाड़ी, पीं.....
छुक-छुक, छुक-छुक, छुक-छुक, छुक-छुक
बीच वाले स्टेशन बोलें
रुक-रुक, रुक-रुक, रुक-रुक, रुक-रुक
तड़क-धड़क, लोहे की सड़क
यहां से वहां, वहां से यहां
छुक-छुक, छुक-छुक, छुक-छुक, छुक-छुक
फुलाए छाती पार कर जाती
बालू रेत, आलू के खेत
बाजरा धान, बुड्ढा किसान
हरा मैदान, मंदिर मकान, चाय की दुकान
कुल्फों की डंडी, टीले पे झंडी
पानी का कुंड, पंछी का झुंड
झोपड़ी झाड़ीर, खेती बाड़ी
बादल धुआं, मोठ कुंआ
कुएं के पीछे, बाग बगीचे
धोबी का घाट, मंगल की हाट
गांव का मेला, भीड़ झमेला
टूटी दीवार, टट्टू सवार
रेलगाड़ी, पीं.....

धरमपुर - करमपुर, करमपुर - धरमपुर
मांडवा - खंडवा, खंडवा - मांडवा
रायपुर - जयपुर, जयपुर - रायपुर
तलेगांव - मलेगांव, मलेगांव - तलेगांव
वेल्लोर - नेल्लोर, नेल्लोर - वेल्लोर
शोलापुर - कोल्हापुर, कोल्हापुद - शोलापुर
उत्कल - डिंडीगल, डिंडीगल - उत्कल
कोरेगांव - गोरेगांव, गोरेगांव - कोरेगांव
मेमदाबाद - अहमदाबाद, अहमदाबाद - मेमदाबाद
बीच वाले स्टेशन बोलें
रुक-रुक, रुक-रुक, रुक-रुक, रुक-रुक

नाव चली

हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय

नाव चली
नानी की नाव चली
नीना की नानी की नाव चली
लंबे सफर पे....

सामान घर से निकाले गए
नानी के घर से निकाले गए
और नानी की नाव में डाले गए
क्या-क्या डाले गए?

एक छड़ी - एक घड़ी, एक झाड़ू - एक लाड़ू
एक संदूक - एक बंदूक, एक सलवार - एक तलवार
एक घोड़े की जीन, एक ढोलक, एक बीन
एक घोड़े की नाल, एक धीमर का जाल
एक लहसुन - एक आलू, एक तोता - एक भालू
एक डोरा - एक डोरी, एक बोरा - एक बोरी
एक डंडा - एक झंडा, एक हंडा - एक अंडा
एक केला - एक आम, एक पक्का - एक कच्चा
और टोकरी में एक बिल्ली का बच्चा

फिर एक मगर ने पीछा किया
नानी की नाव का पीछा किया
नीना की नानी की नाव का पीछा किया

फिर क्या हुआ?

चुपके से - नीचे से
ऊपर से - नीचे से
एक-एक सामान खींच लिया
एक बिल्ली का बच्चा
एक केला एक आम
एक पक्का एक कच्चा
एक अंडा एक हंडा
एक बोरी, एक बोरा
एक तोता, एक आलू
एक लहसुन, एक भालू
एक धीमर का जाल
एक घोड़े की नाल
एक ढोलक, एक बीन
एक घोड़े की जीन
एक तलवार, एक सलवार
एक बंदूक, एक संदूक
एक लाड़ू, एक झाड़ू
एक घड़ी, एक छड़ी

मगर नानी क्या कर रही थी,
नानी थी बेचारी बुड्ढी बहरी
नीना की नानी थी बुड्ढी बहरी
नानी की नींद थी इतनी गहरी

कितनी गहरी?
नदिया से गहरी
दिन दुपहरी
रात की रानी
ठंडा पानी
गरम मसाला
पेट में ताला
साढ़े सोला
पंद्रह के पंद्रह
दूनी तीस
तियां पैंतालिस
चौके साठ
पंजे पिछत्तर
छक्के नब्बे!